तेरे दरबार की चाकरी | B y Mueksh Bagda

तेरी कृपा से गिरवरधारी,आई जीवन में खुशियां सारी
जबसे तेरा गुलाम हो गया, जग में मेरा भी नाम हो गया

तेरे दरबार की चाकरी
सबसे बढ़िया है सबसे खरी
सबसे बढ़िया है सबसे खरी २
तेरे दरबार की चाकरी
सबसे बढ़िया है सबसे खरी

जबसे पाई तेरी चाकरी
दुनिया बदली सांवरिया मेरी
तुझसा मालिक जहाँ में नहीं
जिसको इतनी फिकर हो मेरी
हो ऐसी दूजी नहीं ....
ऐसी दूजी नहीं नौकरी
सबसे बढ़िया है सबसे खरी
तेरे दरबार की चाकरी
सबसे बढ़िया है सबसे खरी

मेरी तनख्वाह भी कुछ कम नहीं
और मिले ना मिले ग़म नहीं
तेरी सेवा बजाता रहूं
तेरा सेवक कहाता रहूं
श्याम ये ही है
श्याम ये ही तमन्ना मेरी
सबसे बढ़िया है सबसे खरी
तेरे दरबार की चाकरी
सबसे बढ़िया है सबसे खरी

एक तेरा सहारा हमें
एक तेरा ही है आसरा
तेरी कृपा से जीते हैं हम
मेरे मालिक मेरे सांवरा
भक्त आये हैं .....
भक्त आये शरण में तेरी
सबसे बढ़िया है सबसे खरी
तेरे दरबार की चाकरी
सबसे बढ़िया है सबसे खरी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%80-b-y-mueksh-bagda/